अध्याय 8.
तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ

बालक पार्श्वकुमार का जन्म ईसा पूर्व 877 सन् में बनारस में हुआ था। जब बालक पार्श्वकुमार 16 वर्ष के हो गए तो वे एक दिन क्रीड़ा करने के लिए अपने साथियों के साथ नगर के बाहर गए। वहाँ क्या देखते हैं कि एक तापसी जो उनका नाना महीपाल था, नानी के वियोग में पञ्चाग्नि तप तपने वाला तापसी हो गया था। वह अग्नि में लकड़ी डाल रहा था। पार्श्वकुमार ने उसे रोका और कहा कि तुम क्या कर रहे हो ? इसमें एक नाग-नागिन का युगल जल रहा है। जब जलती हुई लकड़ी को चीरा गया तो सचमुच वह जोड़ा जल रहा था। पार्श्वकुमार ने उस युगल को उपदेश दिया। उपदेश सुनते-सुनते उनका मरण हुआ और वह युगल धरणेन्द्र-पद्मावती हुए। कालांतर में वह तापसी भी संक्लेश को प्राप्त होकर मरण को प्राप्त हुआ और वह संवर नामक ज्योतिषी देव हुआ।

30 वर्ष की आयु में पार्श्वकुमार को वैराग्य उत्पन्न हो गया और उन्होंने समस्त परिग्रह को छोड़कर दिगम्बरी दीक्षा धारण कर ली। 4 माह का छद्मस्थ काल रहा। 4 माह के अंत में, 7 दिनों का योग लेकर वे धर्म्यध्यान को बढ़ाते हुए विराजमान थे, तभी आकाश मार्ग से संवर देव विमान में जा रहा था। उसका विमान रुक गया और उसने विभङ्गज्ञान से इसका कारण जाना तो पूर्व भव का बैर स्पष्ट दिखने लगा तो उस दुर्बुद्धि ने उन पर अनेक प्रकार के उपसर्ग प्रारम्भ कर दिए। प्रत्येक कर्म की अति का होना इति का सूचक है। धरणेन्द्र-पद्मावती ने अवधिज्ञान से यह उपसर्ग जाना तो वह अपने उपकारक पार्श्वनाथ मुनि की रक्षा के लिए आए और उनकी रक्षा की। पार्श्वप्रभु ध्यान में लीन रहे और उन्होंने केवलज्ञान को प्राप्त कर लिया। केवलज्ञान प्राप्त होते ही उपसर्ग दूर हुआ और वह कमठ का जीव संवर भी प्रभु चरणों में अपने किए हुए कर्म की क्षमा माँगता रहा और उसे भी सम्यग्दर्शन की प्राप्ति हो गई।

केवलज्ञान होते ही समवसरण की रचना हुई और प्रभु ने अनेक स्थानों पर जाकर धर्मोपदेश दिया। अंत में आयु का एक माह शेष रहने पर योग निरोध करने के लिए समवसरण छोड़कर सम्मेदशिखरजी पधारे और वहीं से मोक्ष प्राप्त किया।

1. **बालक पार्श्वनाथ कौन-से स्वर्ग से आए थे ?**
   प्राणत स्वर्ग (चौदहवें स्वर्ग) से आए थे।
2. **पार्श्वकुमार का अपर नाम क्या था ?**
   पार्श्वकुमार का अपर नाम सुभौम था।[1] (उत्तरपुराण, 73/103)
3. **पार्श्वकुमार के माता-पिता का क्या नाम था ?**
   माता वामादेवी (ब्राह्मी) पिता विश्वसेन (अश्वसेन) था।
4. **पार्श्वकुमार का जन्म किस वंश में हुआ था ?**
   पार्श्वकुमार का जन्म उग्रवंश में हुआ था।

1. चौबीसी पुराण में मित्र का नाम सुभौम लिखा है।

5. पार्श्वनाथ के कल्याणक किन-किन तिथियों में हुए थे ?

गर्भकल्याणक	–	वैशाख कृष्ण द्वितीया।
जन्मकल्याणक	–	पौष कृष्ण एकादशी।
दीक्षाकल्याणक	–	पौष कृष्ण एकादशी।
ज्ञानकल्याणक	–	चैत्र कृष्ण त्रयोदशी / चतुर्थी।
मोक्षकल्याणक	–	श्रावण शुक्ल सप्तमी।

6. पार्श्वकुमार की दीक्षा स्थली, दीक्षा वन एवं दीक्षा वृक्ष का क्या नाम था ?

पार्श्वकुमार की दीक्षा स्थली-वाराणसी, दीक्षा वन -अश्ववन/अश्वत्थ वन एवं दीक्षा वृक्ष-धाव/देवदारु वृक्ष।

7. मुनि पार्श्वनाथ की पारणा कहाँ एवं किसके यहाँ हुई थी ?

मुनि पार्श्वनाथ की पारणा गुल्मखेट (द्वारावती) में राजा ब्रह्मदत्त के यहाँ हुई।

8. मुनि पार्श्वनाथ को केवलज्ञान कहाँ एवं किस वृक्ष के नीचे हुआ था ?

मुनि पार्श्वनाथ को केवलज्ञान अश्व वन (काशी) में देवदारु वृक्ष के नीचे हुआ था।

9. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ की आयु एवं ऊँचाई कितनी थी ?

तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ की आयु 100 वर्ष एवं ऊँचाई 9 हाथ थी।

10. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ को मोक्ष कहाँ से हुआ था ?

तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ को मोक्ष सम्मेदशिखरजी के स्वर्णभद्र कूट से हुआ था।

11. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ ने कितने वर्ष उपदेश दिया था ?

तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ ने 69 वर्ष 7 माह उपदेश दिया था।

12. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ के मुख्य गणधर, मुख्य गणिनी एवं मुख्य श्रोता कौन थे ?

तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ के मुख्य गणधर स्वयंभू, मुख्य गणिनी सुलोचना एवं मुख्य श्रोता महासेन थे।

13. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ के समवसरण में कितने मुनि, आर्यिका, श्रावक और श्राविकाएँ थीं ?

तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ के समवसरण में 16, 000 मुनि, 38, 000 आर्यिकाएँ, 1 लाख श्रावक और 3 लाख श्राविकाएँ थीं।

14. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ के यक्ष-यक्षिणी का क्या नाम था ?

तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ के यक्ष मातंग, यक्षिणी पद्मावती थी।

15. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ एवं कमठ के पूर्व भव कौन-कौन से थे ?

पार्श्वनाथ	कमठ
1. विश्वभूति ब्राह्मण का पुत्र मरुभूति	विश्वभूति ब्राह्मण का पुत्र मरुभूति का बड़ा भाई कमठ।
2. वज्रघोष हाथी	कुक्कुट सर्प।
3. सहस्रार स्वर्ग (12 वाँ) में देव	धूम प्रभा नरक।
4. अग्निवेग विद्याधर	अजगर।
5. अच्युत स्वर्ग (16 वाँ) में देव	छठवें नरक।

6. वज्रनाभि चक्रवर्ती	कुरङ्ग भील।
7. मध्यम ग्रैवेयक में अहमिन्द्र	सप्तम नरक।
8. आनन्द राजा	सिंह।
9. आनत नामक स्वर्ग (13 वाँ)के प्राणत विमान में इन्द्र	पाँचवें नरक।
10. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ	महीपाल राजा एवं संवर नामक ज्योतिषी देव।

(पार्श्वनाथचरित आचार्य सकलकीर्ति)

16. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ का तीर्थकाल कितने वर्ष रहा था ?

तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ का तीर्थकाल 278 वर्ष रहा था। (ति. प., 4/1285)

17. कमठ के जीव ने कितनी बार पार्श्वनाथ के जीव को प्राणों से रहित किया था ?

कमठ के जीव ने पाँच बार पार्श्वनाथ के जीव को प्राणों से रहित किया था।

अभ्यास

सही या गलत बताइए -

1. पार्श्वकुमार का जन्म उग्रवंश में नहीं हुआ था।
2. पार्श्वकुमार का नाना कमठ का ही जीव हुआ था।
3. मुनि पार्श्वनाथ को केवलज्ञान पौष कृष्णा एकादशी को हुआ था।
4. मुनि पार्श्वनाथ मन:पर्यय ज्ञान के साथ 120 दिन रहे थे।
5. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ के चार कल्याणक कृष्ण पक्ष में हुए थे।

अन्यत्र खोजिए -

1. कमठ और मरुभूति की स्त्री का क्या नाम था ?
2. मरुभूति और कमठ जिसके यहाँ ये दोनों मन्त्री थे उस राजा का क्या नाम था ?
3. तीर्थङ्कर नेमिनाथ के निर्वाण होने के पश्चात् कितने वर्ष पश्चात् बालक पार्श्वकुमार का जन्म हुआ था ?
4. महापुरुषों के साथ मित्रता दूर रही शत्रुता भी संसार वृद्धि का कारण नहीं होती है कैसे ?
5. धरणेन्द्र-पद्मावती किस-किस निकाय (देवों) में हैं ?
6. तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ की प्रतिमा पर फण किस का प्रतीक है ?